विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत 31 मई 2020

वर्ग सप्तम् राजेश कुमार पाण्डेय

दिव्य वाणी द्वितीय: पाठ:

महान वैज्ञानिक: आर्यभट:

'संस्कृत भाषाया विज्ञानम्' इति वाच्यम् सिद्धायति महान गणितज्ञः आर्यभटः।

संस्कृत भाषा विज्ञान की भाषा है यह महान वैज्ञानिक आर्यभट्ट के द्वारा सिद्ध किया गया है।

अर्यभटस्य प्रसिद्ध पुस्तकम् आर्यभटीयम् इति।

आर्यभट्ट का पुस्तक आर्यभटीयम् है।

आर्यभटः एव सर्वप्रथमं इदं सिद्धं कृतवान् यत् सृष्टिः निर्माणम् एक प्रकिया अस्ति या अनादि-अनन्कालं यावत् प्रचलति।

आर्यभट्ट ही सर्वप्रथम यह सिद्ध किया की सृष्टि निर्माण एक प्रक्रिया है यह अनादि अनंत काल तक प्रचलित है।

सः इदमपि सिद्धं कृतवान् यत् पृथ्वी स्वीय केन्द्रोपरी परिभ्रमति, ग्रहाः तारकाः च अन्तरिक्षे स्थिराः सन्ति। उन्होंने यह भी सिद्ध किया की पृथ्वी अपने केंद्र अक्ष पर घूमती रहती है। ग्रह और तारे अंतरिक्ष में स्थिर रहते हैं।

पृथिव्याः दैनिकपरिभ्रमणकारणात् ग्रहाः तारकाः परिभ्रमतिः ।

पृथ्वी परिभ्रमण के कारण ग्रह और तारा घूमते हुए दिखाई पड़ते हैं।

अर्यभटस्य द्वितीया पुस्तकं 'सूर्यसिद्धन्तः' अपि आसीत्।

आर्यभट्ट का दूसरी पुस्तक सूर्य सिद्धांत भी है

अस्मिन् पुस्तके दिवारात्रयो, गणमायाः क्रमः निर्दिष्टम् सन्ति।

इस पुस्तक में दिन रात का गणना क्रम निर्दिष्ट है।

सः सूर्यग्रहणस्य चन्द्रग्रहणस्य च प्रथमतया वैज्ञानिक व्याख्यां प्रस्तुतवान्।

वह सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण का प्रथम वैज्ञानिक थे। जिन्होंने व्याख्या प्रस्तुत किया।